राधा कमल मुकर्जी : चिन्तन परम्परा

वर्ष 8 अंक 2 **जुलाई-दिसम्बर 2006**

1. **रोहतक में 1857 की क्रान्ति का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन** - डॉ. अमर सिंह, रीडर, इतिहास विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक एवं डॉ. बी.डी. यादव, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, इतिहास विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक(हरियाणा)
2. **बुढ़ापा का सामाजिक पक्ष** - प्रोफेसर ए.एल. श्रीवास्तव, समाजशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं अंजनी कुमार, शोध छात्र, समाजशास्त्र विभाग, श्री अग्रसेन कन्रू स्वायत्तशासी पी.जी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)
3. **संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थायी सदस्यता और भारत** - रामकृष्ण जायसवाल, रीडर एवं अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग, का.सु. साकेत पी.जी. कालेज, अयोध्या, फैजाबाद एवं रामशब्द, शोध अध्येता, राजनीतिविज्ञान, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद (उ.प्र.)
4. **डॉ. भीमराव अम्बेडकर-दलित क्रान्ति के अग्रदूत** - डॉ. आशा रानी मेहरोत्रा, रीडर एवं अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, महिला महाविद्यालय, काशी हिन्दू-विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)
5. **आतंकवाद-दक्षेस के विशेष संदर्भ में** - डॉ. इला साह, विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, एल.एस.जे. परिसर, कुमायूं विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा एवं रश्मि चौधरी, संविदा प्रवक्ता, समाजशास्त्र विभाग, एस.एस.जे. परिसर, कुमायूं विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड)
6. **श्रीराम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद** - डॉ. शशि अग्रवाल, रीडर, समाजशास्त्र विभाग, महिला महाविद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं डॉ. मन्जू जैन, रीडर समाजशास्त्र, एस.एन. सेन बालिका पी.जी. कालेज, कानपुर (उ.प्र.)
7. **बच्चों के विरूद्ध हिंसा** - डॉ. सीताराम सिंह, उपाचार्य एवं विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विभाग, गनपत सहायक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुल्तानपुर (उ.प्र.)
8. **शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण : आर्थिक एवं सांस्कृतिक आयाम** - डॉ. कीर्ति राजिमवाले, एसोसिएट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान)
9. **मानवाधिकार एवं भारतीय संविधान** - डॉ. दीपाली सक्सेना, प्रवक्ता, समाजशास्त्र, डी.जी. कालेज, कानपुर (उ.प्र.)
10. **ग्रामीण अंचल की अशिक्षित प्रौढ़ महिलाओं की शैक्षिक समस्याएं** - श्रीमति विभा तिवारी, प्रवक्ता, आई. पी.एस. कालेज ऑफ एजुकेशन, ग्वालियर (म.प्र.)
11. **उत्तर प्रदेश में पंचायतीराज व्यवस्था : एक क्षेत्रीय अध्ययन** - आनन्द प्रकाश सिंह, प्रवक्ता समाजशास्त्र, राजकीय स्नातकोत्तर कालेज, गोपेश्वर (उत्तराखण्ड)
12. **स्ववित्त पोषित महाविद्यालयों के प्राध्यापकों का समाजशास्त्रीय अध्ययन** - डॉ. प्रफुल्ल चन्द तायल, रीडर एवं विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, विवेकानन्द ग्रामोद्योग महाविद्यालय, औरैया एवं आलोक कुमार यादव, प्रवक्ता एवं शोध अध्येता, समाजशास्त्र विभाग, विवेकानन्द ग्रामोद्योग महाविद्यालय, औरेया (उ.प्र.)
13. **संवैधानिक अधिकारों के प्रति उच्च शिक्षित महिलाओं की संज्ञानात्मक जागरूकता** - श्वेता सिंह, प्रवक्ता समजशास्त्र, श्री अग्रसेन कन्या स्वायत्तशासी कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)
14. **स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना : जनपद बिजनौर की स्थिति** - डॉ. राधा रानी बरनवाल, अंशकालिक प्रवक्ता समाजशास्त्र, आर.एस.एम. कालेज, धामपुर, बिजनौर (उ.प्र.)
15. **कामन्दकीय नीतिसार में राजपद की अवधारणा : एक अनुचिन्तन** - रेनू जायसवाल, शोध छात्रा, राजनीति विज्ञान, डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद एवं श्री रामसुख यादव, शोध छात्र, राजनीति विज्ञान, डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद (उ.प्र.)

16. **दलित महिलाओं की वर्तमान स्थिति : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन** - प्रतिमा गोंड, शोध अध्येत्री, डी. ए.वी. पी.जी. कालेज, आजमगढ़ (उ.प्र.)
17. **कला और संस्कृति** - संजिदा खानम, शोध अध्येत्री, ललित कला विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी (उ.प्र.)
18. **पुस्तक समीक्षा ''ग्रामीण समुदाय के बच्चों का स्वास्थ्य'' लेखक- डॉ. सीताराम-** समीक्षक प्रोफेसर मोहम्मद सलीम, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)
19. **पुस्तक समीक्षा ''सोशियोलोजी ऑफ एजिंग'' लेखक-डॉ. डी.पी. सक्सेना** - समीक्षक- डॉ. जे.एस. राठौर, सेवानिवृत्त रीडर एवं विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, जी.एस.एच. पी.जी. कालेज, चांदपुर, बिजनौर (उ.प्र.)